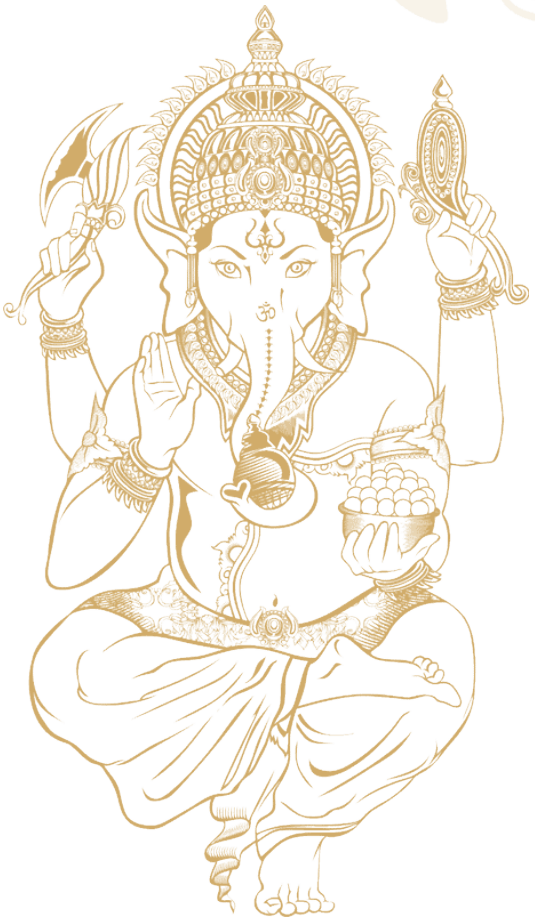

No name

30 Jan 2026

12:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121104923

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**29-30/01/2026**
दिन	गुरु-शुक्रवार
जन्म समय	**00:00:00 घंटे**
इष्ट	42:02:07 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:38:52 घंटे
वेलान्तर	-00:13:05 घंटे
साम्पातिक काल	08:14:56 घंटे
सूर्योदय	07:11:09 घंटे
सूर्यास्त	17:57:40 घंटे
दिनमान	10:46:32 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	15:38:20 मकर
लग्न के अंश	05:18:37 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**मिथुन - बुध**
नक्षत्र-चरण	**मृगशिरा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	वैधृति
करण	बव
गण	देव
योनि	सर्प
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	पूर्व
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	का-कमल
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कुम्भ

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	05:18:37	312:14:45	चित्रा	4	14	शुक्र	मंगल	सूर्य	---
सूर्य			मक	15:38:20	01:00:55	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	शत्रु राशि
चंद्र			मिथु	03:19:55	14:34:55	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	मित्र राशि
मंगल		अ	मक	10:45:39	00:46:55	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	उच्च राशि
बुध		अ	मक	21:19:37	01:45:11	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	सम राशि
गुरु	व		मिथु	23:23:26	00:06:57	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र		अ	मक	21:09:25	01:15:19	श्रवण	4	22	शनि	चंद्र	शुक्र	मित्र राशि
शनि			मीन	04:12:02	00:05:46	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	सम राशि
राहु	व		कुंभ	15:03:02	00:04:06	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	15:03:02	00:04:06	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष	व		वृष	03:14:56	00:00:17	कृतिका	2	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	05:51:21	00:01:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	---
प्लूटो			मक	09:24:09	00:01:55	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	शुक्र	---
दशम भाव			कर्क	07:16:28	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:24

लग्न-चलित

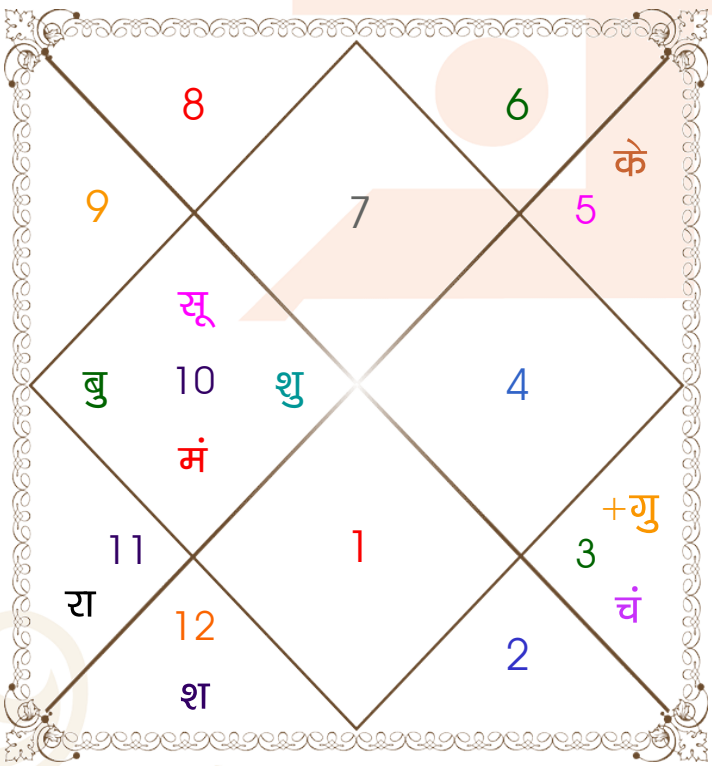

चन्द्र कुंडली

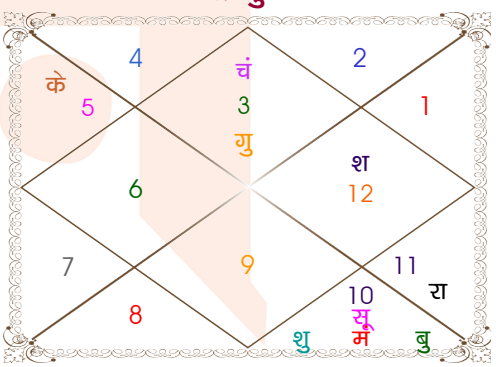

नवमांश कुंडली

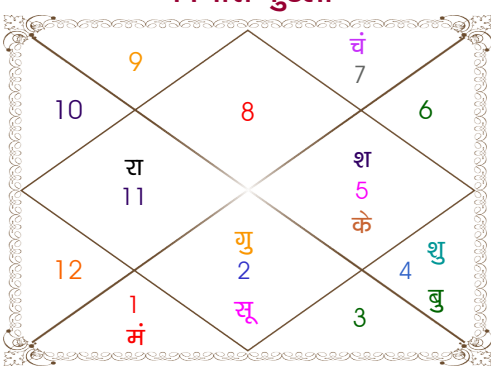

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 1 वर्ष 9 मास 0 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
30/01/2026		31/10/2027		30/10/2045		30/10/2061		30/10/2080	
31/10/2027		30/10/2045		30/10/2061		30/10/2080		30/10/2097	
	00/00/0000	राहु	13/07/2030	गुरु	19/12/2047	शनि	02/11/2064	बुध	29/03/2083
	00/00/0000	गुरु	06/12/2032	शनि	01/07/2050	बुध	13/07/2067	केतु	25/03/2084
	00/00/0000	शनि	13/10/2035	बुध	06/10/2052	केतु	21/08/2068	शुक्र	24/01/2087
	00/00/0000	बुध	01/05/2038	केतु	12/09/2053	शुक्र	22/10/2071	सूर्य	30/11/2087
	00/00/0000	केतु	20/05/2039	शुक्र	13/05/2056	सूर्य	03/10/2072	चंद्र	01/05/2089
	30/01/2026	शुक्र	19/05/2042	सूर्य	01/03/2057	चंद्र	04/05/2074	मंगल	28/04/2090
शुक्र	24/11/2026	सूर्य	13/04/2043	चंद्र	01/07/2058	मंगल	13/06/2075	राहु	14/11/2092
सूर्य	01/04/2027	चंद्र	12/10/2044	मंगल	07/06/2059	राहु	19/04/2078	गुरु	20/02/2095
चंद्र	31/10/2027	मंगल	30/10/2045	राहु	30/10/2061	गुरु	30/10/2080	शनि	30/10/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
30/10/2097		31/10/2104		31/10/2124		01/11/2130		31/10/2140	
31/10/2104		31/10/2124		01/11/2130		31/10/2140		00/00/0000	
केतु	29/03/2098	शुक्र	02/03/2108	सूर्य	18/02/2125	चंद्र	01/09/2131	मंगल	29/03/2141
शुक्र	29/05/2099	सूर्य	02/03/2109	चंद्र	19/08/2125	मंगल	01/04/2132	राहु	17/04/2142
सूर्य	04/10/2099	चंद्र	01/11/2110	मंगल	25/12/2125	राहु	01/10/2133	गुरु	24/03/2143
चंद्र	05/05/2100	मंगल	01/01/2112	राहु	19/11/2126	गुरु	31/01/2135	शनि	02/05/2144
मंगल	01/10/2100	राहु	01/01/2115	गुरु	07/09/2127	शनि	31/08/2136	बुध	29/04/2145
राहु	19/10/2101	गुरु	01/09/2117	शनि	19/08/2128	बुध	31/01/2138	केतु	25/09/2145
गुरु	25/09/2102	शनि	31/10/2120	बुध	26/06/2129	केतु	01/09/2138	शुक्र	31/01/2146
शनि	04/11/2103	बुध	01/09/2123	केतु	31/10/2129	शुक्र	02/05/2140		00/00/0000
बुध	31/10/2104	केतु	31/10/2124	शुक्र	01/11/2130	सूर्य	31/10/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 1 वर्ष 8 मा 30 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म चित्रा नक्षत्र के चतुर्थ चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। उस क्षण मेदिनीय क्षितिज पर तुला लग्न के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं तुला द्रेष्काण भी उदित था। जो यह संकेत देता है कि आप सदैव मात्र विलासिता संबंधी विषयों के प्रति रुचिवान रहेंगे। मुख्यतः वासनात्मक विलास प्रियता आप में विद्यमान रहेगा। आप अपनी पत्नी के साथ आनंद प्राप्ति में अभिभूत रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप काम कला की उच्च शिक्षा प्राप्ति हेतु अथवा प्रसार हेतु प्रयत्नशील रहेंगे। यह संभाव्य है कि आप कामसूत्र के विशेषज्ञ हो जाएं।

संप्रति यदि आपके लिए कार्य है तो वह कार्य घर से संबंधित है। आप अपने शयन कक्ष को अति आकर्षक बनाने के संबंध में सदैव चिंतित रहेंगे। आप अपनी पत्नी की प्रीति में पूर्ण समर्पित रहकर, पत्नी के आकर्षक के कारण एवं विलासिता संबंधी प्रसन्नता हेतु कुछ भी संभव उपाय करने के लिए सीमोलंघन भी कर सकते हैं। संप्रति आप अपनी संगिनी के प्रति अत्यन्त समर्पित हैं।

आप पूर्णरूपेण अश्वस्त होंगे कि आपको एक अच्छी जीवन संगिनी प्राप्त हुई है। आप अपनी पसंद तथा इच्छानुरूप मिथुन अथवा कुंभ राशि की जीवन संगिनी का चयन करें तथा कर्क, मकर एवं मीन जल तत्व राशि की संगिनी का त्याग करें। आपके लिए यह अनिवार्य है कि आपका घरेलू जीवन सुव्यवस्थित हो। यदि संयोगवश आप अपनी जीवन संगिनी के साथ समान तारतम्य नहीं रहा तो अप्रियता एवं दुःखद अनुभव करेंगे। इस प्रकार आपका पारिवारिक जीवन किसी संभावित घटना के कारण असंतुलित हो जाय तथा आपका संपर्क का परित्याग हो जाए। पुनः आप किस प्रकार गृह व्यवस्था सुनिश्चित करेंगे।

आपके जीवन का अन्य रुचिकर विषय आपके मित्र से संबंध स्थापित करने का है। आपकी इच्छा रहती है कि आपके अच्छी मित्र मण्डली हो। जिसके सहयोग के लिए आप सतत कुछ भी करने के तत्पर रहेंगे। आपका अन्य पक्ष यह है कि आप अपने स्तर से अपने मित्रों को प्रस्तुत करेंगे। वास्तविकता तो यह है कि आपके दृष्टिकोण में ऐसा है कि ये मित्र आपके लिए पीठ की हड्डी अर्थात् रीढ़ की भांति प्रमाणित होंगे।

आपके जन्म संयोजन में चित्रा नक्षत्र एवं तुला जन्म लग्न के प्रभाव से आप अत्यंत ही लाभ एवं जीवन की सभी सुविधाओं से युक्त रहेंगे, परंतु वृश्चिक नवमांश के कुप्रभाव से जहां तक हो अड़चन बाधाओं से युक्त परिस्थिति भी हो सकती है। इस प्रकार की परिस्थिति अन्त में आपकी बाधाओं से मुठभेड़ करा सकती है जो आपके शारीरिक अंगों में रोग उत्पन्न करा कर आपकी समृद्धि में बाधक बन जाएं। अतएव आपके लिए अति अनिवार्य है आप गुप्त रोग जनित कार्य से विक्षिप्त प्रभाव के कारण यह संभाव्य है कि आपको मुंह छिपाना पड़े। अतः आप मंगलवार के दिन उपवास रहने का प्रयास करें-यह आपके स्वास्थ्य के लिए सहायक होगा।

आप व्यक्तिगत रूप से सक्रियता पूर्वक आप में यह क्षमता विद्यमान है कि आप अपनी शक्ति सम्पन्नता का अच्छा प्रभाव अपने गुणों के अनुसार किसी भी क्षेत्र में अनिवार्य रूप से सफलता प्राप्त कर सकते हैं। आप कठिन श्रम करने के लिए सुनिश्चित कर सम्पन्नता का

लाभांश यथा धन प्राप्ति के अतिरिक्त भूमि भवन का लाभ प्राप्त कर सकते हैं।

आपको इस प्रकार की आदतों का परित्याग कर सुख आराम की प्राप्ति हेतु व्यवसायिक प्रवृति से पृथक करना चाहिए। आपको प्रेम-प्रसंग हेतु आपने समय का दुरुपयोग नहीं करना चाहिए।

आपको अपनी उन्नति हेतु सही तरीके से किस प्रकार सरकारी अधिकारी को प्रभावित करने के लिए किस प्रकार का प्रभावशाली बातचीत कर सके। यह जानते हैं। आप अपने लिए कार्य व्यवसाय में ट्रांसपोर्टर का कार्य, औषधि का व्यवसाय एवं कांट्रेक्टर का कार्य कर सकते हैं।

आप किसी भी व्यक्ति के साथ संगठित हो कर अच्छी प्रकार मिलजुल कर साथियों के मध्य प्रख्यात हो जाते हैं। आप धैर्य पूर्वक विनोद प्रिय एवं आनंददायक बाते करके प्रसन्नता प्रदान करते हैं। इस प्रकार आप अपने स्वभाव को क्षति कर सकते हैं तथा जब किसी प्रकार की घटना क्रम में आप हिंसात्मक प्रवृति के हो जाते है। आप इस प्रकार की प्रवृति के प्रति शिक्षा ग्रहण कर विपरीत स्थिति के प्रति अपने में बदलाव करें। इस प्रकार की मनोवृति को रोकना उत्तम होगा। क्योंकि आपकी यह आदत हानिकारक है। आप अपने जीवन के इन तथ्यों पर विचार नहीं कर सके तो आपकी बहुत बड़ी क्षति होकर आपकी वृद्धावस्था आर्थिक रूप से प्रभावित हो जाएगा। आप इस प्रकार की समर्पित भावनाओं को नियंत्रित कर लें। इसलिए कि आप को अपना संपूर्ण जीवन आरामदायक ढंग से बिताना है।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरुवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंको में अनुकूल अंक 1, 2, 4, 7 एवं 8 अंक उत्तम है। इसके अतिरिक्त अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक उपयुक्त नहीं है।

रंगों में आपके लिए हरा, पीला रंग, आपके लिए रूचि कर एवं व्यवस्थित रंग है। परंतु रंग सफेद लाल, नारंगी आपके लिए अनुकूल एवं शुभ है।